Seventeenth Loksabha

>

Title: Regarding development of Buddhist sites as tourist centre in Maharajganj Parliamentary Constituency, Uttar Pradesh

श्री पंकज चौधरी (महाराजगंज): अध्यक्ष महोदय, धन्यवाद।

महोदय, महाराजगंज में भगवान गौतम बुद्ध से संबंधित तीन महत्वपूर्ण बौद्ध स्थल हैं। उनकी ननिहाल देवदह, समाधि स्थल रामग्राम तथा धातु चैत्य तथा गृह त्याग के पश्चात राजसी वस्त्राभूषण त्यागने का स्थान – कुंवरवर्ती स्तूप का स्थल महाराजगंज में है। ये स्थान क्रमश: बनरसिया, कन्हैया बाबा का स्थान तथा चिंउटहा गांव में स्थित है।

देवदह भगवान बुद्ध की ननिहाल थी। यहां एक मंगल पोख्खरीण थी। इसमें केवल राज परिवार के लोग ही स्नान कर सकते थे। यह बनरसिया में आज भी स्थापित है। यहां भगवान बुद्ध के नाना महाराज अंजन के महल के अवशेष तथा ईटों से बने दो विशाल स्तूप भी हैं, जो संभवत: बुद्ध की मां महामाया तथा उनका लालन पालन करने वाली उनकी मौसी महाप्रजापति गौतमी के अस्थि अवशेष पर बनाए गए हैं।

रामग्राम का स्तूप भगवान गौतम बुद्ध के अस्थि अवशेष के आठवें भाग पर बनाया गया था। यह उनकी समाधि है। चीनी यात्री ह्वेनसांग ने रामग्राम की यात्रा की थी, उन्होंने वह यहां ईटों से बने विशाल स्तूप व उसके आगे मॉनेस्ट्री होने की बात लिखी थी।

कन्हैया बाबा का स्थान तथा ईटों का बनाया विशाल स्तूप और उसके सामने लगभग 10 एकड़ मोनेस्ट्री के खंडहर तथा पुष्करणी आज भी देखी जा सकती है। यह स्तूप ह्वेनसांग द्वारा वर्णित कपिलवस्तु से इसकी दिशा व दूरी से मेल खाता है। ज्ञातव्य है कि अभी तक रामग्राम के स्तूप की पहचान नहीं हुई है। इस स्तूप के पास कुषाण कालीन तांबे के सिक्के भी मिले हैं। वर्ष 1992 में यहां पुरातत्व विभाग की पटना इकाई के द्वारा उत्खनन किया गया था। इससे पहले वर्ष 2003 में भी उत्तर प्रदेश पुरातत्व विभाग की तरफ से इसका खनन किया गया है।

अत: केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि इन स्थलों का राष्ट्रीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा सर्वेक्षण व उत्खनन कराकर इन स्थलों को विधिवत चिन्हित कराने व पर्यटक स्थल के रूप में इनका विकास कराने की अनुकम्पा करने की कृपा करें।

माननीय अध्यक्ष : कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल, श्री कुलदीप राय शर्मा, श्री सी.पी. जोशी और *m05 श्री जगदम्बिका पाल को श्री पंकज चौधरी द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।